एक नजर में

हरियाली तीज महोत्सव का हुआ आयोजन

विचोली। कलचुरी कलार समाज महिला संगठन के तत्वधान में हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन नगर के बैतूल रोड स्थित डमरू रेस्टारेंट में किया गया। आयोजन में कल्चुरी कलार समाज की सैकड़ों महिलाएं सम्मिलित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ राजराजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन के छायाचित्र के समक्ष पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसके पश्चात महिलाओं का ग्रैंड वेलकम, किया गया तत्पश्चात् खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया साथ ही सभी ने जमकर एक से बढ़कर एक संगीत एवं नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई। स्वादिष्ट भोजन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ एवं अंत में कल्चुरी महिला कलार समाज की जिला अध्यक्ष श्रीमती चिंता जायसवाल द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

आदतन अपराधी राहुल रैकवार जिला बदर

बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने आदतन अपराधी राहुल रैकवार को जिला बदर किया है। राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 (क) एवं (ख) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर ने राहुल रैकवार पिता दीपक रैकवार उम्र 25 निवासी मेहतर मोहल्ला बैतूल को जिला बैतूल एवं उससे लगे सीमावर्ती जिले छिंदवाड़ा, नर्मदा पुरम, खंडवा एवं हरदा की राजस्व सीमाओं से 6 माह की अवधि के लिए निष्कासित किया है।

पिछले 24 घंटे में औसतन 8.8 मिमी वर्षा दर्ज

बैतूल। जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान औसतन 8.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई। अधीक्षक, भू-अभिलेख ने बताया कि 26 अगस्त प्रातः 8 बजे से 27 अगस्त प्रातः 8 बजे तक जिले के विभिन्न वर्षामापी केंद्रों पर वर्षा रिकॉर्ड की गई। उन्होंने बताया कि बैतूल में 2.6 मिमी, घोड़ाडोंगरी में 15.0 मिमी, चिचोली में 9.0 मिमी, शाहपुर में 13.0 मिमी, मुलताई में 20.6 मिमी, प्रभात पट्टन में 4.0 मिमी, आमला में 11.0 मिमी, भैंसदेही में 11.0 मिमी, आठनेर में 4.3 मिमी तथा भीमपुर में 2.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में वर्षा ऋतु 2026-27 में अब तक औसतन 591.8 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है। वहीं गत वर्ष 2025-26 में अब तक 722.3 मिमी वर्षा दर्ज हुई थी। उल्लेखनीय है कि जिले की सामान्य औसत वर्षा 1083.9 मिमी है तथा गत वर्ष की सामान्य औसत वर्षा 1097.4 मिमी रही थी।

सरपंच-सचिव की अनदेखी से सड़क बदहाल

बैतूल। ग्राम पंचायत तारा में विकास के दावों के बीच वार्ड नंबर 17 की बदहाल सड़क ने पंचायत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सड़क की हालत इतनी खराब है कि जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ जमा होने से ग्रामीणों का पैदल निकलना तक मुश्किल हो गया है। बारिश के दिनों में यह रास्ता सड़क कम और कीचड़ भरे दलदल जैसा अधिक नजर आ रहा है। ऐसे में बुजुर्गों, बच्चों और रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच और सचिव को सड़क की बदहाली की पूरी जानकारी होने के बावजूद समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक सड़क की हालत सुधारने के लिए बड़े निर्माण की मांग नहीं की जा रही, बल्कि फिलहाल दो-तीन ट्रॉली गिट्टी या मुरम डलवा दी जाए तो भी आवागमन लायक रास्ता तैयार हो सकता है।

बच्चों के स्वास्थ्य के लिए संचालित योजनाओं की कलेक्टर द्वारा समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

नव भारत न्यूज

पांढुरना, 27 अगस्त, जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने और बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लिए संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम, पोषण ट्रैकर सहित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की आज जिला कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर द्वारा विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर समीक्षा की गई।

मातृ वंदना और लाड़ली लक्ष्मी योजना की प्रगति : प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में पांढुर्णा परियोजना का वार्षिक लक्ष्य 1503 तथा सौंसर परियोजना का लक्ष्य 1344 है। 24 अगस्त 2026 तक पांढुर्णा में 634 तथा सौंसर में 524 हितग्राहियों की उपलब्धि दर्ज की गई है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत पांढुर्णा परियोजना का वार्षिक लक्ष्य 753 और सौंसर परियोजना का 591 है। 24 अगस्त तक पांढुर्णा में 282 तथा सौंसर में 220 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

लक्ष्य से अधिक बच्चों का पंजीयन

मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत जुलाई माह में जिले में सेम, मेम एवं एस यू डब्लू श्रेणी के कुल 590 बच्चों के लक्ष्य के विरुद्ध 625 बच्चों का पंजीयन किया गया। इस प्रकार कार्यक्रम में 105.9 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई। पोषण सुधार की समीक्षा में जुलाई माह में पांढुर्णा परियोजना में 393 डिस्चार्ज बच्चों में से 224 बच्चों की पोषण स्थिति सामान्य स्तर पर पहुंची। वहीं सौंसर परियोजना में 335 डिस्चार्ज बच्चों में से 127 बच्चों की पोषण स्थिति में सुधार दर्ज किया गया। जिले में कुल 728 डिस्चार्ज बच्चों में से 351 बच्चों की पोषण स्थिति सामान्य स्तर पर पहुंची।

सभी 526 आंगनवाड़ी केंद्रों का प्रभावी संचालन

पोषण ट्रैकर की रिपोर्ट के अनुसार जिले में कुल 526 आंगनवाड़ी केंद्र संचालित हैं। 24 अगस्त को सभी 526 आंगनवाड़ी केंद्र खुले पाए गए। घर-भेंट कार्यक्रम में भी जिले ने बेहतर उपलब्धि दर्ज की है। जुलाई माह में निर्धारित 5762 घर-भेंट के विरुद्ध 5723 घर-भेंट की गईं, जो 99.32 प्रतिशत उपलब्धि है। बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की सतत निगरानी के अंतर्गत जुलाई माह में जिले के 25,590 सक्रिय बच्चों में से 25,381 बच्चों का वजन एवं अन्य स्वास्थ्य मानकों का मापन किया गया। इसकी उपलब्धि 99.18 प्रतिशत रही।

मंगल दिवस के 990 सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित

मंगल दिवस के अंतर्गत जुलाई माह में जिले के 526 आंगनवाड़ी केंद्रों में निर्धारित 1052 सामुदायिक कार्यक्रमों में से 990 कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसकी उपलब्धि 94.11 प्रतिशत रही।समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पात्र हितग्राहियों का समय पर पंजीयन एवं सत्यापन तथा बच्चों और महिलाओं को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विभागीय योजनाओं की नियमित निगरानी और मैदानी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पांढुर्णा श्रीमती अलका एक्का सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

गोटमार मेले के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों की पुख्ता सुरक्षा कराने लगाई गुहार

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज,

पांढुरना,27 अगस्त, नगर में आयोजित होने वाले विश्व विख्यात गोटमार मेले के दौरान घायलों के उपचार हेतू लगाए जाने वाले स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता कराने के मांग को लेकर आज स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने जिला कलेक्टर को एक हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौपा। मध्य प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ जिला शाखा के अध्यक्ष नीलकंठ विरखरे के नेतृत्व में गुरुवार को संगठन के पदाधिकारी तथा सदस्यों ने जिला कलेक्टर को एक हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौप बताया कि गोटमार मेले के दौरान घायल होने वाले लोगों के उपचार हेतू स्वास्थ्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाती है,इस दौरान कुछ उपद्रवियों द्वारा इन स्वास्थ्य कर्मियों के साथ ही अभद्र व्यवहार करने के साथ वाद-विवाद कर मारपीट तक आमादा हो जाते है। पूर्व में घटित इन घटनाओं से यह सभी स्वास्थ्य कर्मी सहमें हुए है,हालांकि बीते वर्ष गोटमार मेले के दौरान इन सभी स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था अच्छी की गई है,बीते वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी इन सभी स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता कराने के मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा,इस आशय का पत्र सौंपते समय संगठन के जिला अध्यक्ष नीलकंठ विरखरे, अजय तिवारी, मोरेश्वर बालपांडे,शंकर तायवाड़े,सुरेश कुमार टेकाम ,सतीश शेम्बेकर,देवराव कुभर `,रमेश चिकने,साजिद खान,राजु खंडाईत आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

त्यौहार के एक दिन पूर्व अतिक्रमण पर कार्यवाही का किया विरोध

चिचोली। भाई बहन के प्यार के पर्व रक्षा बंधन के एक दिन पूर्व नगर परिषद ने अतिक्रमण तोड़ने की कार्यवाही अचानक शुरू कर दी। अतिक्रमण तोडे जाने के विरोध में नगर परिषद सीएमओ ज्योति सोनेरे व कांग्रेस पार्टी के नेताओं के बिच तीखी बहस हुई।

एन त्यौहार के समय अतिक्रमण तोड़े जाने का अतिक्रमणकारियो सहित आमजन व नगर में जमकर रोष व्याप्त है। बस स्टैंड स्थित वर्षो से अपनी रोजी रोटी चलाने वाले गरीब परिवारो चाय दुकान पान की छोटी गुमठी धारको ने आज जम कर विरोध किया. इस अवसर पर कांग्रेस नेता रुपेश आर्य, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नवनीत आर्य, एनएसयु आई ब्लाक अध्यक्ष अमन खान, विकास आर्य, गोल्डी जायसवाल ने एन त्यौहार के समय अतिक्रमण हटाए जाने का जम कर विरोध किया। त्यौहार के पूर्व गरीबो के अतिक्रमण हटाए जाने की सूचना मिलते ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जित्तू पटवारी व जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय डागा ने तत्काल दूरभाष पर नगर परिषद सीएमओ ज्योति सोनेरे से बात कर कार्यवाही का कड़ा विरोध दर्ज कराया। नगर परिषद द्वारा अतिक्रमण विरोधी कार्यवाही अचानक किये जाने से दुकान दारों को अपना सामान समेटने का समय भी नहीं मिल पाया, हलाकि अतिक्रमण करियो को नपा द्वारा पूर्व में नोटिस बाटे गए थे, किन्तु कार्यवाही त्यौहार व बारिश के मौसम में होंगी। इसका अनुमान अतिक्रमण करियो को नहीं था। दुकानों पर दुकानदार ना होने से नपा कर्मचारियों ने दुकानों से सामान बाहर फेक दिया जिससे दुकानदार रोते व असहाय नजर आये.कार्यवाही का लोगो ने पुरजोर विरोध किया गया कार्यवाही को विरोध के बाद फिलहाल रोक दिया गया है।

दो अलग-अलग घटनाओं में दो की मौत

बैतूल। बैतूल बाजार थाना क्षेत्र में गुरुवार को दो अलग-अलग घटनाओं में एक 16 वर्षीय छात्रा और 60 वर्षीय महिला की मौत हो गई। भवानी वार्ड में मोबाइल चार्जर लगाते समय छात्रा करंट की चपेट में आ गई, जबकि गोराखार में एक महिला का शव कुएं में मिला।

दोनों मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। भवानी वार्ड निवासी वेदिका पिता संजय गायकवाड़ (16) कक्षा 10वीं की छात्रा थी। गुरुवार सुबह करीब 10 से 11 बजे के बीच वह घर में मोबाइल का चार्जर बिजली के बोर्ड में लगा रही थी। इसी दौरान उसे करंट लग गया और वह गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन उसे तत्काल एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टरों ने जिला अस्पताल ले जाने की सलाह दी। एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने वेदिका को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच

पुलिस कर रही घटनाओं की जांच

कुएं में मिला महिला का शव

बैतूल बाजार थाना क्षेत्र के गोराखार में भी एक महिला की मौत का मामला सामने आया। यहां 60 वर्षीय रामकली पति लक्ष्मण खातरकर का शव कुएं में मिला। बताया गया कि रामकली मानसिक रूप से कमजोर थीं और बुधवार दोपहर करीब 2 बजे घर से निकली थीं। देर रात उनका शव कुएं में मिलने की जानकारी सामने आई। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मौत के कारणों की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही सही जानकारी सामने आयेगी।

शांति समिति की बैठक के निर्णय का नही होता पालन

मुलताई। नगर में त्योहारों के सीजन के पूर्व थाने में ली गई शांति समिति के बैठक में लिए गए निर्णयों पालन होते दिखाई नहीं दे रहा है। शांति समिति की बैठक के दौरान निर्णय लिया गया था की त्योहारों के दौरान शहर का ट्रैफिक सुचारू रूप से चलाया जाएगा। जिसमें सड़क पर खड़े किए गए वाहनों पर चालानी कार्रवाई की जाए जिससे त्योहार के सीजन बाजार में भीड़ एवं ट्रैफिक जाम होने की स्थिति ना बने। लेकिन नगर में गुरुवार दोपहर फव्वारा चौक पर कितनी अज्ञात लोगों द्वारा तीन फोर व्हीलर चौराहे पर खड़े कर दिए गए। जिसके कारण नागपुर रोड, बोरदही रोड और बैतूल रोड तीनों रोड पर भारी जाम की स्थिति बन गई। इस दौरान यह भी देखा गया कि उक्त ट्रैफिक को नाके से गांधी चौक होते हुए निकालने की कोशिश के चलते गांधी चौक में भी भारी जाम की स्थिति बन गई। जब फव्वारा चौक के तीनों रोड पर भारी जाम की स्थिति बनी तब बाजार के व्यापारियों द्वारा जाम की जानकारी पुलिस विभाग को दी गई ।जिसके बाद पुलिस बल द्वारा मौके पर पहुंचकर उक्त वाहनों को हटाकर जाम खुलवाया गया। वही जाम की स्थिति दिन भर में कई बार निर्मित हुई।

खाद्य विभाग ने खाद्य प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण

बैतूल। आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर डॉ सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार 26 अगस्त को खाद्य एवं औषधि प्रशासन के जांच दलों द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारी को राज्य शासन द्वारा एनालॉग डेयरी प्रोडक्ट्स को प्रतिबंधित किए जाने के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता रखने के निर्देश दिए गए। दल द्वारा मुलताई शहरी क्षेत्र में खाद्य प्रतिष्ठान बीकानेर मिष्ठान भंडार तासी कुंड, गुरु कृपा बीकानेर स्वीट्स, तासी बीकानेर स्वीट्स जय स्तंभ चौक, श्याम डेयरी स्टेट बैंक के पास, हरियाणा जलेबी, दादाजी नाश्ता प्वाइंट, विधता होटल एवं ओमकार स्वीट्स बस स्टैंड की जांच की। इस दौरान मिल्क केक, मलाई बर्फी कलाकंद बर्फी, अंजीर बर्फी, मोतीचूर लड्डू, बेसन लड्डू, नमकीन, खट्टा मीठा नमकीन, सेव के 16 नमूने जांच हेतु लिए गए। इसी प्रकार दल द्वारा आठनेर शहरी क्षेत्र अंतर्गत आराधना नाश्ता प्वाइंट सातनेर, अभिनंदन स्वीट्स, बीकानेर स्वीट्स आठनेर से मावा बर्फी, सादा पेड़ा, लौग सेव, शकरपारा इस प्रकार कुल 09 नमूने जांच हेतु लिए। सभी नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा रहे हैं।

जनसंवाद कर मौके पर आयुक्त ने समस्यां का किया निराकरण

छिंदवाड़ा. जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत नगर निगम द्वारा जनसंवाद एवं मैदानी निरीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मैदानी भ्रमण के दौरान नगर निगम आयुक्त चंद्र प्रकाश राय ने वार्डों में संचालित विकास एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों का जायजा लिया। आयुक्त श्री राय ने सीवर संबंधी कार्यों पर पुनः अपनी सख्त अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए संबंधित उपयंत्री को तत्काल आवश्यक सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट हिदायत दी कि सीवरेज से जुड़ी शिकायतों और तकनीकी कमियों को प्राथमिकता के साथ दुरुस्त किया जाए। इसके साथ ही आयुक्त ने मैदानी अमले को शासन की समस्त जन-हितग्राहीमूलक योजनाओं के लंबित आवेदनों का समय-सीमा में त्वरित निराकरण करने हेतु निर्देशित किया, ताकि पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ सुगमता से मिल सके। भ्रमण एवं जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान नगर निगम उपायुक्त कमलेश निरगुड़कर, कार्यपान यंत्री हिमांशु अतुलकर, सहायक यंत्री विवेक चौहान एवं ब्रजेश पांडे, कार्यालय अधीक्षक मोहन नागदेव, योजना लिपिक श्रीमती सुषमा माथुर, एनयूएलएम प्रभारी उमेश पयासी, राजस्व निरीक्षक ऋषभ स्थापक, अन्य मैदानी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर निगम अधिकारियों के द्वारा नागरिक सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर ही 5 पात्र हितग्राहियों को विवाह प्रमाण पत्र जारी कर सौंपे गए।

8 दिन में 6 इंच बारिश, पिछले साल से 20 इंच पीछे

बैतूल। बैतूल जिले में पिछले एक सप्ताह से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। इसके चलते मानसून के आंकड़ों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। 19 अगस्त के बाद जिले की औसत बारिश में करीब 6 इंच का इजाफा हुआ है। 27 अगस्त की सुबह 8 बजे तक जिले में औसत 591.8 मिलीमीटर यानी 23.30 इंच बारिश दर्ज की गई है। हालांकि, पिछले साल की तुलना में जिला अभी भी करीब 20 इंच पीछे है। 27 अगस्त की सुबह 8 बजे तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 8.8 मिलीमीटर यानी करीब 0.35 इंच बारिश हुई। इस दौरान चिचोली में सबसे ज्यादा, जबकि आठनेर में सबसे कम बारिश दर्ज की गई। 19 अगस्त तक जिले में मानसून कमजोर बना हुआ था। इसके बाद 20 अगस्त से अलग-अलग क्षेत्रों में बारिश का दौर शुरू हुआ, जो कई इलाकों में लगातार जारी रहा। इसका असर कुल बारिश के आंकड़ों पर भी दिखाई दिया। जिले में बारिश सभी क्षेत्रों में एक जैसी नहीं हुई है। चिचोली में अब तक सबसे ज्यादा 31.74 इंच बारिश दर्ज की गई है, जबकि आठनेर में यह आंकड़ा केवल 14.16 इंच है। यानी जिले के अलग-अलग क्षेत्रों के बीच बारिश का अंतर काफी ज्यादा है।

पोस्टमार्टम व रात में एमएलसी नहीं होने से पीड़ित परेशान

पाथाखेड़ा। पाटाखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र की बदहाली पर पीड़ितों के द्वारा स्वास्थ्य विभाग पर उठ रहे है गंभीर सवाल। सारनी के पाटाखेड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर क्षेत्रवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। कभी क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा का केंद्र रहा यह अस्पताल अब मूलभूत सेवाओं की कमी और बदहाली के आरोपों से घिर गया है। सबसे गंभीर स्थिति पोस्टमार्टम और रात के समय मेडिकल लीगल केस (एमएलसी) की सुविधा को लेकर सामने आ रही है। सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुई है कि पहले स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम की सुविधा उपलब्ध थी, लेकिन अब यह व्यवस्था बंद होने से दुर्घटना अथवा अप्रिय घटना में मृत व्यक्ति के शव को लेकर परिजनों को घोड़ाडोंगरी जाना पड़ता है। दुख की घड़ी में शव को दूर ले जाने से परिवारों को मानसिक पीड़ा के साथ अतिरिक्त आर्थिक भार भी उठाना पड़ रहा है। वहीं, रात के समय दुर्घटना, मारपीट या अन्य मेडिकल लीगल मामलों में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को चिकित्सकीय परीक्षण और एमएलसी के लिए परेशान होना पड़ता है। आरोप है कि रात में अस्पताल में पर्याप्त चिकित्सकीय व्यवस्था नहीं होने के कारण मरीजों को दूसरे स्वास्थ्य केंद्रों की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। अस्पताल परिसर की स्थिति भी सवाल खड़े कर रही है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर का बोर्ड लगा होने के बावजूद परिसर का पिछला हिस्सा झाड़ियों और खंडहरनुमा स्थिति में दिखाई देता है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब सरकार ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का दावा कर रही है, तो पाटाखेड़ा की जनता को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भटकना पड़ रहा है।

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा ; जिम्मेदार मौन

ग्राम तिगांव के पीएम श्री विद्यालय की हालत जर्जर

नव भारत न्यूज

तिगाँव(पांढुरना)27 अगस्त, मध्य प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार जहाँ एक ओर पीएम श्री योजना के तहत सरकारी स्कूलों को आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त बनाने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर पांढुरना नगर जिला मुख्यालय से लगे ब्लाक की सबसे बड़ी पंचायत वाले ग्राम तिगाँव का पीएम श्री विद्यालय खुद अपनी बदहाली पर आँसू बहा रहा है। विद्यालय का भवन अत्यंत जर्जर अवस्था में पहुँच चुका है, जिससे यहाँ पढ़ने वाले सैकड़ों बच्चों के भविष्य और जान पर हर वक्त खतरा मंडराता रहता है।

छत से टपकता है पानी, दीवारों में आई दरारें: ग्रामीणों और पालकों से मिली जानकारी के अनुसार, स्कूल के कमरों की छतें पूरी तरह से जर्जर हो चुकी हैं। बारिश के दिनों में छतों से पानी टपकता है, जिससे कक्षाओं में बैठना भी दूभर हो जाता है। भवन की दीवारों और पिलर में बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी हैं। स्कूल स्टाफ और बच्चे हमेशा किसी अनहोनी के डर के साए में यहाँ रहने को मजबूर हैं।

नाम पीएम श्री पर सुविधाओं का अभाव

हैरानी की बात यह है कि इस स्कूल का चयन देश की महत्वाकांक्षी %पीएम श्री योजना% के तहत किया गया है, जिसके तहत स्कूलों को मॉडल बनाया जाना था। लेकिन तिगाँव के इस विद्यालय में मूलभूत ढांचा ही ढहने की कगार पर है। जर्जर भवन के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, और पालकों में भी अपने बच्चों को स्कूल भेजने को लेकर भारी डर बना हुआ है।

एसएमसी अध्यक्ष ने नए भवन निर्माण की मांग

विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के नवनियुक्त अध्यक्ष सुनील गोधे ने इस गंभीर समस्या पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए शासन-प्रशासन का ध्यान तत्काल नए भवन निर्माण की ओर आकर्षित किया है। अध्यक्ष सुनील गोधे ने बताया कि तिगांव का यह विद्यालय एक मॉडल स्कूल के रूप में स्वीकृत है, जहां आसपास के दर्जनों ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों छात्र-छात्राएं प्रतिदिन शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। इसके बावजूद स्कूल की मौजूदा बिल्डिंग जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। दीवारों और छतों से प्लास्टर गिर रहा है, जिसके कारण कक्षाओं में बैठकर पढ़ाई करने वाले मासूम बच्चों और शिक्षकों के सिर पर हमेशा खतरा मंडराता रहता है। बारिश के मौसम में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। श्री गोधे ने शासन और शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों से पुरजोर मांग की है कि वर्तमान क्षतिग्रस्त बिल्डिंग को तुरंत अनुपयोगी घोषित कर जमींदोज किया जाए और छात्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एक सर्वसुविधायुक्त नए स्कूल भवन (बिल्डिंग) का निर्माण जल्द से जल्द शुरू कराया जाए।

महापौर जन-शिकायत : क्यूआर कोड स्कैन कर सीधे दर्ज करा सकेंगे शिकायत व सुझाव

नवभारत न्यूज

छिंदवाड़ा। नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में जनभागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से महापौर जन-शिकायत एवं स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया है। इस अभिनव पहल के माध्यम से शहर के नागरिक अब अपने वार्डों की सफाई, जलापूर्ति एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं और सुझावों को सीधे नगर निगम प्रशासन तक पहुंचा सकेंगे। नगर निगम महापौर विक्रम अहके ने शहरवासियों से अपील की है कि छिंदवाड़ा को देश के अग्रणी स्वच्छ शहरों में शामिल कराने हेतु नागरिक अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। नागरिक अभियान हेतु जारी क्यूआर कोड को स्कैन करके ऑनलाइन फॉर्म के माध्यम से अपनी शिकायतें या सकारात्मक सुझाव दर्ज करा सकते हैं। इस विशेष जागरूकता वेबसाइट एवं क्यूआर की आकर्षक डिजाइन आदित्य पतिंगे द्वारा तैयार की गई है।

इन समस्याओं की दर्ज कराई जा सकेगी शिकायत

डोर-टू-डोर कचरा गाड़ियों की अनियमितता, सड़कों व क्षेत्रों की सफाई, नाली एवं नालों की सफाई न होना अथवा कचरा न उठना। पेयजल व्यवस्था-पेयजल की किल्लत, नलों में गंदा पानी आना, पाइपलाइन लीकेज अथवा जलप्रदाय से जुड़ी समस्याएं , स्ट्रीट लाइट एवं सड़कें- बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें, सड़कों के गड्ढे एवं क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत।

तस्वीर अपलोड कर त्वरित निराकरण की व्यवस्था

पोर्टल और फॉर्म पर शिकायत दर्ज करते समय नागरिक मौके की फोटो भी अपलोड कर सकते हैं, जिससे संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्या की वास्तविक स्थिति की सटीक जानकारी मिल सकेगी। प्राप्त सभी आवेदनों को समय-सीमा के भीतर संबंधित विभागों को प्रेषित कर उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण की व्यवस्था की गई है।